



स्वतंत्र नरिदेशकों की तलाश

एक स्वतंत्र नरिदेशक (Independent Director) कौन होता है?

- कंपनी अधिनियम (Companies Act), 2013 के अनुसार, एक स्वतंत्र नरिदेशक किसी कम्पनी का वह व्यक्ति होता है जिसका उस कम्पनी में न तो कोई शेयर होता है, न ही उस कम्पनी के साथ कोई आर्थिक संबंध ही होता है और न ही वह व्यक्ति उस कम्पनी का नरिदेशक एवं प्रमोटर (Promoters) ही होता है।
- एक स्वतंत्र नरिदेशक एक प्रबंध नरिदेशक (Managing Director) नहीं हो सकता है, वह किसी कम्पनी अथवा उसकी सहायक कम्पनी का एक पूर्णकालिक नरिदेशक अथवा प्रमोटर होता है।
- इसका सीधा सा अर्थ है कि कम्पनी द्वारा किसी भी प्रमोटर के परिवार के सदस्य अथवा मतिर को उस कम्पनी का स्वतंत्र नरिदेशक नहीं चुना जा सकता है।
- स्वतंत्र नरिदेशक चुने जाने के लिये योग्यता क्या होनी चाहिये?
- एक स्वतंत्र नरिदेशक को किसी अन्य कम्पनी के साथ व्यापार करने के लिये वित्त, कानून, प्रबंधन, बकिरी, वपिगन, प्रशासन, अनुसंधान, कॉर्पोरेट प्रशासन, तकनीकी संचालन में से किसी एक अथवा एक से अधिक क्षेत्र के विषय में कौशल, अनुभव तथा पर्याप्त ज्ञान होना आवश्यक है।

एक स्वतंत्र नरिदेशक का चुनाव कैसे किया जाता है?

- कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार, सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध हर कम्पनी के एक-तहिाई नरिदेशक स्वतंत्र नरिदेशक होने चाहिये।
- भारतीय प्रतभूत एवं वनिमिय बोर्ड (The Securities and Exchange Board of India - SEBI) के नयिमें के अनुसार, किसी भी सूचीबद्ध कम्पनी के बोर्ड का अध्यक्ष एक गैर-कार्यकारी नरिदेशक (Non-Executive Director) होता है।
- यदि किसी कम्पनी में नयिमति रूप से एक गैर - कार्यकारी नरिदेशक नयिकृत नहीं किया जाता है तो, सेबी के नयिमें में यह विशेष रूप से उल्लिखित किया गया है कि उक्त कम्पनी के बोर्ड के कम से कम आधे सदस्य स्वतंत्र नरिदेशक के तौर पर कार्य करेंगे।
- स्वतंत्र नरिदेशकों की नयिकृत शेयरधारकों (Shareholders) की एक आम बैठक (General Meeting) में एक प्रस्ताव (Resolution) पारित करके की जाती है।
- मौजूदा नयिमें के अनुसार, एक व्यक्ति सात से अधिक सूचीबद्ध कम्पनियों में स्वतंत्र नरिदेशक के रूप में कार्य नहीं कर सकता है।
- ऐसा कोई व्यक्ति जो किसी सूचीबद्ध कम्पनी में एक पूर्णकालिक नरिदेशक के रूप में कार्य करता है, वह तीन से अधिक सूचीबद्ध कम्पनियों में स्वतंत्र नरिदेशक के तौर पर कार्य नहीं कर सकता है।

स्वतंत्र नरिदेशक के कार्य की अवधितथा पारशिरमकि कतिना होता है?

- एक स्वतंत्र नरिदेशक का अधिकतम कार्यकाल पाँच वर्ष को होता है। हालाँकि कम्पनी द्वारा एक विशेष प्रस्ताव पारित करके उसे पुनः पाँच वर्षों के लिये नयिकृत किया जा सकता है।
- वर्ष 2015 में आईआईएस (Institutional Investor Advisory Services - IIAS) जो कि एक प्रॉक्सी सलाहकार फर्म (Proxy advisory firm) है, द्वारा एक लेख में यह स्पष्ट किया गया कि वर्तमान में देश में बहुत सी ऐसी कम्पनियाँ हैं जिनमें पछिले 10 सालों से एक ही स्वतंत्र नरिदेशक कार्य कर रहे हैं।
- स्पष्ट है कि इतने लम्बे समय तक एक ही स्थान पर कार्य करने के कारण इन स्वतंत्र नरिदेशकों की तटस्थता एवं नषिपक्षता संदेह के दायरे में आ जाती है।
- ध्यातव्य है कि स्वतंत्र नरिदेशकों का प्रतर्ता बोर्ड शुल्क 1 लाख रुपये से अधिक नहीं होना चाहिये।
- हालाँकि यदि कम्पनी के शेयरधारक मंजूरी प्रदान करते हैं तो स्वतंत्र नरिदेशकों को लाभ संबंधित कमीशन (Profit-related Commission) प्रदान किया जा सकता है।

स्वतंत्र नरिदेशकों का कार्य क्या होता है?

- इनका मुख्य कार्य अल्पसंख्यक शेयरधारकों के हतियों की रक्षा करना तथा कम्पनी के कॉर्पोरेट प्रशासन में सुधार लाना होता है।
- स्वतंत्र नरिदेशकों का कार्य प्रबंधन के कार्य प्रदर्शन की समीक्षा करने के साथ-साथ प्रबंधन तथा शेयरधारकों के हतियों के मध्य उपजे विवादों की मध्यस्थता करना होता है।
- आमतौर पर, किसी कम्पनी के अध्यक्ष तथा गैर-स्वतंत्र नरिदेशकों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिये वर्ष में एक बार उस कम्पनी के स्वतंत्र नरिदेशकों की बैठक (बना कम्पनी के प्रबंधन समूह के योगदान के) आयोजित की जाती है।

- आईआईएस द्वारा जारी किये गए लेख के अनुसार, किसी कंपनी के स्वतंत्र नरिदेशकों का तटस्थ एवं नषिपक्ष परतनिधित्व उस कंपनी के आंतरकि तंत्र को नरिंत्रति करने तथा उसे मज़बूती प्रदान करने में एक अहम भूमिका अदा कर सकता है।

क्या अतीत में स्वतंत्र नरिदेशकों की भूमिका के मुद्दे पर कोई वविाद उत्पन्न हुआ है?

- गौरतलब है कि जनवरी 2009 में जब रामलगा राजू (सत्यम कम्पूटर के अध्यक्ष) द्वारा पछिले कई सालों में कंपनी को 7,136 करोड़ रुपए का चूना लगाने का मामला सामने आया तो नविशकों द्वारा कंपनी के स्वतंत्र नरिदेशकों की वास्तविक भूमिका के सन्दर्भ में गंभीर चिंता व्यक्त की गई।
- वर्ष 2014 में जब यूनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया (United Bank of India) में गैर-नषिपादनकारी परसिंपत्तियों (Non-Performing Assets) में वृद्धि का मामला सामने आया तो इसके किसी स्वतंत्र नरिदेशक (जनिमें एक राजनेता, एक मीडिया मैनेजर तथा एक व्यापारी शामिल हैं) की योग्यता बैंक को इस समस्या से बाहर निकाल पाने में सफल साबित नहीं हो सकी।
- हाल ही में टाटा संस के अवकाशप्राप्त अध्यक्ष रतन टाटा तथा टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष साईरस मसित्री के मध्य शेरधारकों को आगामी जोखिमें के प्रतिसचेत करने तथा उक्त जोखिमें की जमिमेदारी लेने की स्वतंत्र नरिदेशक की भेद्यता के मुद्दे पर वविाद की स्थिति बनी हुई है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/seeking-independent-directors>

